मीडिया जन सरोकारों के मुद्दे उठाने का नेतृत्व करे
हस्तक्षेप करे तथा प्रश्न भी करे।

इंदौर 10 दिसम्बर 2017। **'मीडिया के समक्ष मूल्यगत चुनौतियां'** विषय पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ज्ञान शिखर स्थित ब्रम्हाकुमार ओमप्रकाश भाईजी सभागार में आयोजित सम्पादक सम्मेलन में वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया विश्लेषक एन. के. सिंह ने कहा कि यह समय न्यूज का कैरेक्टर बदलने का है। अब उसे सामाजिक सरोकारों से जोडना होगा जिसके लिये नैतिक सम्बल को मजबूत करने की जरुरत है। सम्पादकों की नैतिक सत्ता से कोई भी मालिक जन सरोकारों से चर्चा करने से हटा नहीं पायेगा. बाजारवाद के प्रभाव में मीडिया जन सरोकारों से दूर हो गया है। बाजार या मार्केट की शक्तियां जनसरोकारों से संबंधित मुद्दे उठाने से मीडिया को रोक न पाये इसके लिये सम्पादकों को कृषि, ग्राम विकास तथा जनसरोकारों के निर्माण के मुद्दे भी उठाना पड़ेगा।

श्री सिंह ने कहा कि कृषि उत्पादों का उचित मूल्य किसानों को मिले तथा कृषि उत्पादों के विपणन तथा भण्डारण जैसे मुद्दों को भी मीडिया को संजीदा होकर उठाना चाहिये। सामाजिक बुराईयों को खतम करने के लिये मीडिया को लोगों में तर्क शक्ति का विकास करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम एक बार अपने दिल में झांककर देखें कि हम समाज के मुद्दों पर कितना महत्व देते हैं।यह स्पष्ट होना चाहिये कि मीडिया मीडिया शोषित, पीड़ितों के साथ खडा है न कि अत्याचारियों के साथ।

नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि मीडिया लोक जागृति का सशक्त माध्यम है। आज मीडिया विचारोत्तेजक बातें तो बताता ही है साथ में बाजारवाद के दबाव में यह भी बताता है कि हमें यह पहनना है, यह खाना है, यह पीना है। इससे जिन्दगी लगातार कठिनतम होती जा रही है। आज समाज में जागरूकता लाने की जिम्मेवारी हम सभी की है परन्तु इसमें मीडिया की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। बाजारवाद के दबाव में अखबारों में संपादक की सत्ता खत्म हो गई है। खबरों का चयन मार्केट तय करता है। ऐसे में सामाजिक मूल्यों को बचाना बड़ा मुश्किल है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक खबरों से जनता का प्रतिसाद मिलता है तथा स्वयं को संतोष मिलता है। इसलिये मीडिया की समस्या स्वरूप नहीं समाधान स्वरूप भी बनना चाहिये।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जन संचार विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. मानसिंह परमार ने बताया कि लिखे हुए शब्दों की आज भी सार्थकता है। पत्रकारों को आत्म नियंत्रण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के पाठ्यम में नैतिक मूल्यों का भी एक प्रश्न पत्र होना चाहिये। मेडिकल कॉलेज तथा ला कालेज की तरह ही मीडिया काउंसिल भी होनी चाहिये। ब्राडकास्टिंग एडीटर्स एसोसिएशन के महासचिव तथा इंडिया टी.वी. के पूर्व प्रधान संपादक अजीत अंजुम ने कहा कि मूल्यों का क्षरण समाज के हर तबके में हुआ है। मीडिया के समक्ष मूल्य और चुनौतियां व्यक्ति से शुरू होती है। मूल्यों को बचाना चाहते हैं तो

इमानदारी के साथ रिर्पोटिंग करें। सामाजिक बदलाव के लिये विचारों के आदान प्रदान का केंद्र पत्रकारिता ही है। जो भूमिका पहले कभी साहित्य भी थी वह आज पत्रकारिता के पास आ गई है क्योंकि व्यक्ति से मूल्यों के विकास की भी एक प्रक्रिया है। विचारों से ही देशों में क्रातियां हुई है।

ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्माकुमार करूणा भाई ने कहा कि शिक्षा में मूल्यों को भी शामिल करना होगा तभी समाज भी मूल्यनिष्ठ बनेगा। इंदौर में मूल्यों के विषय पर आयोजित इस तरह के प्रथम संपादक संवाद के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इसी तरह के आयोजन संस्था के सहयोग से अन्य प्रदेशों में भी आयोजित किये जायेंगे। उज्जैन केन्द्रों की संचालिका ब्रम्हाकुमारी उषा बहन ने सभी का स्वागत करते हुए स्वर्गीय ओम प्रकाश भाईजी के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला। इंदौर जोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने सभी को राजयोग की अनुभूति कराई तथा ब्रह्माकुमारी अनिता मीडिया प्रभाग की क्षेत्रीय समन्वयक ने आभार व्यक्त किया।